222वें सत्र के समापन पर सभापति का वक्तव्य

माननीय सदस्यगण,

राज्य सभा का 222वां सत्र समाप्त हो रहा है। छोटा बजट सत्र होने के कारण, यह सत्र मुख्यतया सरकारी वित्तीय कार्य के लिए समर्पित रहा।

यह सत्र 21.2.2011 को समवेत हुई संसद की दोनों सभाओं के समक्ष आदरणीया राष्ट्रपति द्वारा दिए गए अभिभाषण से आरंभ हुआ और तत्पश्चात् राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के संबंध में चर्चा हुई। रेल बजट और सामान्य बजट पर चर्चा और संबंधित विनियोग विधेयकों तथा वित्त विधेयक को लौटाये जाने के अलावा, इस सत्र के दौरान संपादित एक महत्वपूर्ण विधायी कार्य उड़ीसा (नाम-परिवर्तन) विधेयक, 2010 और संविधान (113वां संशोधन) विधेयक, 2010 के पारण से संबंधित था।

इस सत्र के दौरान प्रधान मंत्री और मंत्रिपरिषद के अन्य सदस्यों द्वारा अनेक वक्तव्य दिये गये या सभापटल पर रखे गये। इस सत्र के दौरान लोक महत्व के विषयों से संबंधित बड़ी संख्या में विशेष उल्लेख किए गए और सभापीठ की अनुमति से मामले उठाये गये। 'आंध्र प्रदेश में अभूतपूर्व और असमय भारी वर्षा' और 'गैर-कृषि प्रयोजनों के लिए कृषि भूमि के उपयोग' के संबंध में ध्यान दिलाये जाने संबंधी दो सूचनाओं पर चर्चा हुई। 'वोट के बदले धन' के संबंध में एक समाचारपत्र में प्रकाशित समाचार पर

18.03.2011 को प्रधान मंत्री द्वारा दिये गये वक्तव्य पर अल्पकालिक चर्चा भी हुई। मैं महासचिव से अनुरोध करता हूँ कि वे इस सत्र से संबंधित आंकड़ों संबंधी जानकारी उपलब्ध कराएं।

प्रश्नकाल के अधिकतम उपयोग और साथ ही सदस्यों को सभापीठ की अनुमति से, अत्यावश्यक विषयों का उल्लेख करने के लिए नियमित अवसर प्रदान करने के लिए, यह निर्णय लिया गया कि कार्य दिवस म.पू. 11.00 बजे 'सभापीठ की अनुमति से उठाये गये मामलों' से आरंभ किया जाए और प्रश्नकाल को भोजनावकाश के पश्चात् पहले घंटे में अंतरित किया जाए। इस संबंध में हम माननीय सदस्यों के सहयोग की सराहना करते हैं। आरंभिक परिणाम उत्साहजनक रहे हैं। मुझे कुछ सुझाव भी प्राप्त हुए हैं जिनसे नये प्रबंध को सुव्यवस्थित करने में सहायता मिलेगी।

प्रधान मंत्री द्वारा सभा में 6 नये मंत्रियों का परिचय कराया गया। कर्णाटक राज्य से उप चुनाव में निर्वाचित श्रीमती हेमा मालिनी सत्र के दौरान सभा की सदस्य बनीं।

मैं इस अवसर पर 'सभा के नेता', 'विपक्ष के नेता', विभिन्न दलों और समूहों के नेतागण और माननीय सदस्यों का उनके द्वारा सभा के समग्र रूप से सुचारू कार्यकरण के लिए दिए गये सहयोग के लिए आभार व्यक्त करता हूँ। मैं उपसभापति, उपसभाध्यक्षों के पैनल के सदस्यों तथा सचिवालय के अधिकारियों तथा कर्मचारियों का उनकी सहायता और सहयोग के लिए आभार व्यक्त करता हूँ।